

10th Feb / 2024

Name :- Varaiya Dilshad Yumush Bhevi

School :- F. D. High School.

Std :- 11th Science.

भाषा :- हिन्दी

* अतत भविष्य को दिशा में अकुलों का योगदान

→ आज के समय में विज्ञान का बहुत महत्त्व है। विज्ञान ही हमारे जीवन ही संभव नहीं है। कुम्हार को लकड़ों नामके वैज्ञानिकों ने टेक्नोलॉजी के विकास में बहुत महत्त्व का योगदान दिया है। कई वैज्ञानिकों ने ही हमें अपना पूरा जीवन विज्ञान को दे दिया है। जो हमारे लिए बहुत गायों की बात है।

→ आज कल अकुलों में भी बहुत विज्ञान के बारे में बताया गया है। आज कल की अकुलें हमें बहुत आगे टेक्नोलॉजी की ओर जाने का योगदान देती हैं। शाला के हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। अकुलें में नई-नई प्रवृत्तियाँ और हमें आगे बढ़ने का प्रोत्साहन भीयता है। अकुलें में होने वाले विज्ञान विकास और आगे कई प्रवृत्तियाँ और हमें विज्ञान में आगे बढ़ने का हमें प्रोत्साहन भीयता है। मैं अपनी अकुलें से बहुत सारी बातें सीखी हैं। की टेक्नोलॉजी में हमें कैसे आगे बढ़ना है। अकुलें हमें अतत नई भविष्य की टेक्नोलॉजी के ओर ले जाती हैं। जैसी की पवन ऊर्जा जो हमें बिना किसी ज्यादा खर्च के

हमें भीमती देती है। और हम उखा अज्जे में
अपयोग कर सकते हैं। स्कूल के माध्यम में
हमें टेकनीकी के बारे में बहुत धीरे धीरे पता चलती
है। जो हमें अभीष्ट में टेकनीकी की ओर
बढ़ावा देती है। स्कूल के माध्यम से ही हमें
अच्छी धीरे सीखती है। और आगे जाकर वैज्ञानिक
जैसे अच्छे इंसान बनते हैं। स्कूल में
लगे शैल्य पेनल भी स्कूल को अभीष्ट की ओर
ले जाता है। शैल्य पेनल के माध्यम में हम
और अजा का बिना ज्यादा खर्च कीइ
भीमती में उ इ कपातव कर सकते हैं। जीसमें
ये हमें धीरे धीरे फायदा पहुँचाता है। और इसमें
स्कूल हमें ये सीखाती है की हमें की
आगे जाकर एसे ही काइ संशोधन करने है।
और हमें अभीष्ट के ओर ले जाती है। स्कूल
का हमें अभीष्ट के ओर ले जाने का बहुत
बड़ा योगदान है। वे हमें काइ स्मार्ट अपघों के
माध्यम में बड़ी कीइ और माध्यम में हमें
आगे बढ़ने या योगदान देती है। स्कूल एक ऐसा
जगह है जहाँ हमें आगे जाने कीही सलाह
मिलती है और स्कूल हमें आगे जाने का
प्रोत्साहन करती है। हमारी स्कूल का सबसे बड़ा योगदान